



## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

### विषय

---

स्वास्थ्य व्यय में गिरावट SDG लक्ष्यों  
के लिए जोखिम

---

## स्वास्थ्य व्यय में गिरावट SDG लक्ष्यों के लिए जोखिम

### सन्दर्भ

- भारत सहित निम्न आय वाले देशों (LICs) और निम्न मध्यम आय वाले देशों (LMICs) में सरकारी स्वास्थ्य व्यय में हालिया रुझान चिंताजनक परिवर्तन दर्शाते हैं, क्योंकि देश सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की समय-सीमा के करीब पहुंच रहे हैं।

### संयुक्त राष्ट्र द्वारा SDG 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) के बारे में

- SDG 3.1:** मातृ मृत्यु दर को 100,000 जीवित जन्मों पर 70 से कम करना।
- SDG 3.2:** नवजात शिशुओं और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की रोकी जा सकने वाली मृत्यु को कम से कम 1000 जीवित जन्मों पर 12 तक लाना तथा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर को कम से कम 1000 जीवित जन्मों पर 25 तक लाना।
- SDG 3.3:** एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना।
- SDG 3.4:** गैर-संचारी रोगों (NCDs) से होने वाली असामयिक मृत्यु दर को कम करना तथा मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।
- SDG 3.8:** सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना।

### स्वास्थ्य व्यय में गिरावट

- महामारी के दौरान खर्च में वृद्धि और उसके बाद गिरावट:** कोविड-19 महामारी के दौरान, सरकारी स्वास्थ्य व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई क्योंकि देश संकट का प्रबंधन करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। हालाँकि, यह वृद्धि अल्पकालिक थी।
  - महामारी के बाद, कई देशों ने स्वास्थ्य व्यय में लगातार गिरावट देखी है, जो महामारी से पहले के रुझान को उलट देती है जहाँ स्वास्थ्य को राष्ट्रीय बजट में अधिक हिस्सा मिला था।
  - यह अब अधिक स्थायी है, जो स्वास्थ्य संबंधी SDG लक्ष्यों के लिए आवश्यक गति को चुनौती दे रहा है।

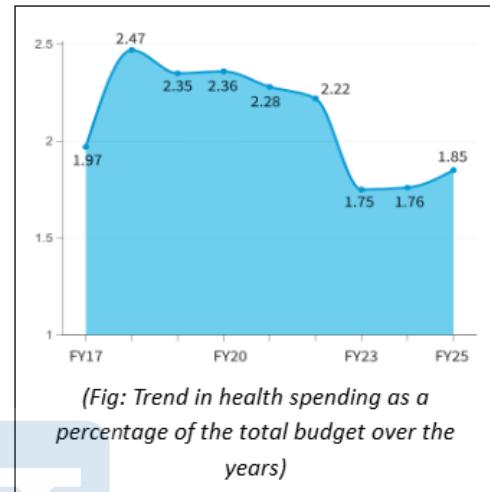
### स्वास्थ्य वित्तीय बनाए रखने में चुनौतियाँ

- चूंकि सामान्य सरकारी व्यय स्वास्थ्य व्यय की तुलना में तेज़ी से बढ़ता है, इसलिए स्वास्थ्य के लिए आवंटित सरकारी बजट का हिस्सा कम हो गया है।
  - LICs में, कुल सरकारी व्यय के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य व्यय 2023 में महामारी के चरम से घटकर 5.6% रह गया।
  - LMICs में भी इसी तरह का रुझान देखा गया, जिसमें बजट के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य व्यय 2023 में घटकर 6.5% रह गया।
- ये कठौती स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त धन बनाए रखने में चुनौतियों को दर्शाती है, जबकि सामान्य सरकारी बजट काफी हद तक स्थिर रहता है या मामूली वृद्धि दर्शाता है।

- स्वास्थ्य व्यय में गिरावट विशेष रूप से LICs और LMICs में स्पष्ट है। 2019 से 2023 तक, प्रति व्यक्ति सरकारी स्वास्थ्य व्यय में मामूली वृद्धि हुई, LICs ने केवल 0.4% की औसत वार्षिक वृद्धि दर का अनुभव किया और LMICs ने 0.9% से थोड़ा अधिक वृद्धि की।

## भारत एवं स्वास्थ्य वित्तपोषण

- 2024-25 के केंद्रीय बजट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को ₹90,958.63 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.9% की वृद्धि दर्शाता है। इसमें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए ₹87,656.90 करोड़ और स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए ₹3,301.73 करोड़ शामिल हैं।
  - 2020-21: कुल स्वास्थ्य व्यय GDP का 3.73% था, जिसमें सरकारी स्वास्थ्य व्यय (GHE) GDP का 1.60% था
  - 2021-22: स्वास्थ्य व्यय GDP का 2.1% था
  - 2023-24: GHE GDP का 1.9% है
- भारत का लक्ष्य 2025 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को GDP के 2.5% तक बढ़ाना है।



## सम्बंधित जोखिम

- बढ़े हुए बजट के बावजूद, हाल के वर्षों में स्वास्थ्य व्यय में गिरावट के कारण SDG लक्ष्यों को पूरा करने को लेकर चिंताएँ हैं। महामारी के बाद बजट में स्वास्थ्य का हिस्सा 2% से नीचे चला गया है।
- भारत उन देशों में से है जहाँ प्रति व्यक्ति सरकारी स्वास्थ्य व्यय और स्वास्थ्य व्यय के बजट हिस्से में गिरावट आई है।
- यह भारत के लिए अद्वितीय नहीं है, बल्कि कई LICs और LMICs में एक सामान्य चुनौती है।

## जोखिम कम करने की रणनीतियाँ

- स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि:** सरकारों को अपने बजट में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि आवश्यक सेवाओं, बुनियादी ढांचे और रोग नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त धन सुनिश्चित किया जा सके।
  - इसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, NCDs और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटन बढ़ाना शामिल है।
- स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करें:** स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को प्रशिक्षित करना और दवाओं एवं टीकों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार करना स्वास्थ्य प्रणालियों की लचीलापन बढ़ा सकता है।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दें:** सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग अतिरिक्त संसाधन एकत्रित कर सकता है, सेवा वितरण में सुधार कर सकता है और स्वास्थ्य सेवा में नवाचार को बढ़ावा दे सकता है।

- सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाएँ:** स्वास्थ्य पहलों में समुदायों को शामिल करने से जागरूकता बढ़ सकती है, स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग बढ़ सकता है और यह सुनिश्चित हो सकता है कि कार्यक्रम सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त एवं प्रभावी हैं।
- प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएँ:** टेलीमेडिसिन और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड जैसे डिजिटल स्वास्थ्य समाधान, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार कर सकते हैं।
  - आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का एक उदाहरण है।
- निवारक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करें:** टीकाकरण, स्वास्थ्य शिक्षा और रोगों का शीघ्र पता लगाने जैसे निवारक उपायों पर बल देने से स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर भार कम हो सकता है एवं स्वास्थ्य परिणामों में सुधार हो सकता है।

### भारत द्वारा SDG 3 प्राप्त करने के लिए प्रमुख पहल

- आयुष्मान भारत (दो घटक)**
  - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY):** माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है।
  - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (HWCs):** मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और गैर-संचारी रोगों की देखभाल सहित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने का लक्ष्य।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM):** राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NUHM) से मिलकर बनी इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को मजबूत करना है, जिसमें प्रजनन, मातृ, नवजात, बच्चे तथा किशोर स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन):** इस मिशन का उद्देश्य बच्चों में बौनापन, कुपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन को कम करना है, साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण को दूर करना है।
- मिशन इंद्रधनुष:** इसका उद्देश्य विभिन्न रोकथाम योग्य बीमारियों के विरुद्ध टीके प्रदान करके बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए पूर्ण टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है।
- प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (PMBJP):** इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों के रूप में जाने जाने वाले विशेष स्टोर के माध्यम से सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराना है।
- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM):** जिसे अब आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के रूप में जाना जाता है, इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को एक विशिष्ट स्वास्थ्य आईडी प्रदान करके डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जिससे स्वास्थ्य रिकॉर्ड और सेवाओं तक पहुँच आसान हो सके।

### निष्कर्ष

- 'स्वास्थ्य के अधिकार' की व्याख्या 'मूल अधिकार के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार' के हिस्से के रूप में की गई है।

- भारत के उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि 'जीवन के अधिकार' में मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है, जिसमें स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच शामिल है।
- स्वास्थ्य व्यय में गिरावट 2030 तक स्वास्थ्य संबंधी SDG लक्ष्यों को प्राप्त करने और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच के लिए एक बड़ा खतरा है। सरकारों के लिए अपने बजट आवंटन में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और स्थायी वित्तपोषण समाधान की खोज करना महत्वपूर्ण है।
- लचीली स्वास्थ्य प्रणाली बनाने और सतत विकास के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता है।

Source: TH



### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न.** स्वास्थ्य व्यय में कमी के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने पर संभावित प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। उन विशिष्ट SDGs पर चर्चा करें जो सबसे अधिक जोखिम में हैं और इन जोखिमों को कम करने के लिए रणनीतियां प्रस्तावित करें।

